महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

सामुदायिक सामाजिक दायित्व निर्वहन हेतु जनसंपर्क जरूरी -प्रो. अनिल राय

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया के वर्धा चैप्टर ने मनाया राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस

वर्धा दि. 22 अप्रैल 2015: सामुदायिक सामाजिक दायित्व (सीएसआर) को प्रभारी रूप से कार्यान्वित करने के लिए जनसंपर्क अत्यंत आवश्यक है। इस आशय के विचार पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया के वर्धा चैप्टर के अध्यक्ष एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय ने व्यक्त किए। वे 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर विश्वविद्यालय में 'प्रभावी सामुदायिक सामाजिक दायित्व के लिए उत्कृष्ट जनसंपर्क' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ आकाशवाणी के पूर्व उदघोषक तथा प्रतिष्ठित कहानीकार नवनीत मिश्र, बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया के वर्धा चैप्टर के सचिव एवं विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित थे।

उदघोषक नवनीत मिश्र ने अपने आकाशवाणी के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि रेडियो पर समाचार वाचक के रूप में काम करते हुए प्रत्येक शब्द का महत्व और उसकी प्रासंगिकता को ध्यान में रखना चाहिए। आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समाचार प्रस्तुतकर्ता को शब्द और वाक्य के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए। प्रो. अनिल राय ने आगे कहा कि कार्पोरेट संस्थानों को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए और उसके लिए जनसंपर्क का प्रभावी इत्सेमाल करना चाहिए। प्रारंभ में बी. एस. मिरगे ने पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक द्वारा जारी संदेश का पाठ किया। डॉ. पाठक ने अपने संदेश में कहा कि 21 अप्रैल 1968 ने अपनी पहली जनसंपर्क परिषद आयोजित की थी और सन 1986 से 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाने का निर्णय किया था। जनसंपर्क कर्मियों में व्यावसायिक दृष्टि पैदा करने की दिशा में यह कदम उठाया गया। जयपुर में आयोजित 36वें जनसंपर्क सम्मेलन में सब का साथ सबका विकास इस मुख्य विषय को लेकर गंभीर विमर्श किया गया और इस वर्ष हमने जनसंपर्क दिवस के लिए 'प्रभारी सामुदायिक सामाजिक दायित्व हेतु उत्कृष्ट जनसंपर्क' इस विषय का चयन किया। उन्होंने संदेश में कहा कि सफल जनसंपर्क व्यावसायिक एक अच्छा संवादकर्ता, मीडीयाविद, प्रौद्योगिकी से लैस और एक मानवी संवेदना से जुड़ा व्यक्ति होने के साथ-साथ सही मायनो में समाज वैज्ञानिक भी होता है। अच्छी और प्रभावी जनसंपर्क सेवा के माध्यम से हमें हमेशा समाज के हर तबके को एम्पावर बनाने की दिशा में तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम में वर्धा जिले के सहायक जिला सूचना अधिकारी शाम टरके, जानकीदेवी बजाज संस्थान में सीएसआर के प्रमुख विनेश काकडे, विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. अख्तर आलम, राजेश लेहकपुरे, शोधार्थी शम्भूशरण गुप्त, बलीराम कोकाटे, शाहीन बानो, भवानी शंकर, संतोष मिश्रा, शशी गौर, इम्तियाज अंसारी, दीपिका, अनुपमा, निरंजन कुमार, अभिषेक राय, प्रिया गुप्ता, राजेंद्र यादव, शैलेंद्र पांडे सहित छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीत जनसंपर्क महत्वाचा -प्रो. अनिल राय

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया, वर्धा चॅप्टरच्या वतीने राष्ट्रीय जनसंपर्क दिनाचे आयोजन

वर्धा दि. 22 एप्रिल 2015: सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीची (सीएसआर) प्रभावीपणे अंमलबजावणी करण्यासाठी जनसंपर्क महत्वाचे काम करते असे प्रतिपादन पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया, वर्धा चॅप्टरचे अध्यक्ष तसेच महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील संचार व मीडिया अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय यांनी केले. ते 21 एप्रिल रोजी राष्ट्रीय जनसंपर्क दिनानिमित्ताने विश्वविद्यालयात 'प्रभावी सामुदायिक सामाजिक जबाबदारीकरिता उत्कृष्ट जनसंपर्क' या विषयावर आयोजित परिचर्चेत बोलत होते. कार्यक्रमाला मुख्य अतिथी म्हणून लखनौ आकाशवाणी केंद्राचे माजी उदघोषक तथा प्रतिष्ठित कहानीकार नवनीत मिश्र, बहु वचन्चे संपादक अशोक मिश्र, पीआरएसआय वर्धा चॅप्टरचे सचिव, विश्वविद्यालयाचे जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित होते.

उदघोषक नवनीत मिश्र यांनी आकाशवाणीतील प्रदीर्घ अनुभवांविषयी चर्चा केली. ते म्हणाले, आकाशवाणीवर वृत्त निवेदक म्हणून काम करतांना शब्दांचा वापर कसा करावा याकडे लक्ष देणे गरजेचे असते. आजच्या काळात इलेक्ट्रॉनिक मीडियातील वृत्त प्रस्तुतकर्त्यांनी शब्द आणि वाक्यांप्रती अधिक संवेदनशील असले पाहिजे असेही ते म्हणाले. बी. एस. मिरगे यांनी पीआरएसआयचे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक यांनी पाठविलेल्या संदेशाचे वाचन केले. कार्यक्रमाला वर्धा जिल्हयाचे सहायक जिल्हा माहिती अधिकारी शाम टरके, जानकीदेवी बजाज संस्थेचे सीएसआर प्रमुख विनेश काकडे, सहायक प्रोफेसर डॉ. अख्तर आलम, राजेश लेहकपुरे, शोधार्थी शम्भूशरण गुप्त, बळीराम कोकाटे, शाहीन बानो, भवानी शंकर, संतोष मिश्रा, शशि, इम्तियाज अंसारी, दीपिका, अनुपमा, निरंजन कुमार, अभिषेक राय, प्रिया गुप्ता, राजेंद्र यादव, शैलेंद्र पांडे यांच्यासह विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.